कृतिका कामरा और गौरव कपूर के शादी के जश्न की झलक

कृतिका कामरा और गौरव कपूर की शादी के जश्न की झलक सामने आनी शुरू हो गई है,इससे अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि यह इस सीज़न की सबसे स्टाइलिश और अलग अंदाज़ वाली शादियों में से एक होने वाली है. यह जोड़ा 11 मार्च को मुंबई में शादी के बंधन में बंधने जा रहा है. इस खास मौके को वे अपने करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी लेकिन ग्लैमरस समारोह में सेलिब्रेट करेंगे. इस जश्न में फिल्म और खेल जगत के कई जाने-माने चेहरे भी शामिल होने वाले हैं.

इस शादी को और खास बनाता है उनका अलग और दिलचस्प वेडिंग इनवाइट, जो उनके स्टाइल और सहज स्वभाव को दर्शाता है. पारंपरिक वेडिंग रिसेप्शन की जगह कृतिका और गौरव ने 'द पार्टी, आफ्टर' नाम से एक खास लेट-ईवनिंग सेलिब्रेशन रखा है, जिसे एक आरामदायक और मज़ेदार आफ्टर-पार्टी की तरह प्लान किया गया है.

दक्षिण मुंबई के एक वेन्यू पर होने वाली इस शाम का माहौल जैज़ नाइट और स्पीकईज़ी बार जैसा होगा. मेहमानों को जल्दी आने, आराम से बैठने और रात भर जश्न का आनंद लेने के लिए आमंत्रित किया गया है. इनवाइट का डिज़ाइन भी बेहद खूबसूरत है, जिसमें मोनोक्रोम लुक और हल्का-फुल्का अंदाज़ दिखाई देता है. यह इस बात की झलक देता है कि यह जश्न निजी, स्टाइलिश और बेहद खास होने वाला है.

'मामला लीगल है 2' की रिलीज डेट घोषित

पटपड़गंज डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की रोजमर्रा की घटनाओं ने अगर आपका भी मनोरंजन किया है और आपको भी हँसाया है, तो जान लें कि अब एक नया नोटिस जारी हो गया है. जी हाँ, अब अगली तारीख डिसाईड हो गई है.

3 अप्रैल से कोर्ट फिर से शुरू हो रहा है, और मामला लीगल है सीज़न 2 के साथ आ रहा है, सत्य दुर्घटनाओं पर आधारित कानूनी मामलों की नई कहानियाँ. सीज़न 2 में दर्शकों के पसंदीदा वकील एक बार फिर पेश करेंगे उथल-पुथल और बेहतरीन ह्यूमर के साथ रोजमर्रा की अफरा-तफरी, जो इस शो के प्रति दर्शकों के प्रेम को और अधिक बढ़ा देगी.

पोषम पा पिक्चर्स द्वारा निर्मित इस सीरीज़ में शो-रनर समीर सक्सेना हैं. इसके डायरेक्टर राहुल पांडे हैं. सौरभ खन्ना और कुणाल अनेजल द्वारा निर्मित किरदारों और दुनिया पर आधारित नए सीज़न की कहानी सैयद शदान, मोहक अनेजा और तत्सत पांडे ने लिखी है, तथा कुणाल ने टीम को लीड किया है.

'लस्ट स्टोरीज 3' में नजर आएंगे अली फजल

बॉलीवुड अभिनेता अली फज़ल, बहुप्रतीक्षित लस्ट स्टोरीज़ 3 में अपने रोमांटिक 'लवर बॉय' अवतार में दिखाई देंगे, जो आधुनिक और भावनात्मक रूप से गहरी प्रेम कहानी को दिखाएगा.

अली फजल आखिरी बार मेट्रो इन डिनो में नज़र आए थे, जहां उन्होंने एक नरम दिल और दिल छू लेने वाले संगीतकार का किरदार निभाया था, जो प्यार और अपनी भावनाओं के उतार-चढ़ाव से गुज़रता है. इसी रोमांटिक सफर को आगे बढ़ाते हुए लस्ट स्टोरीज़ 3 में अली फजल एक बेहद निजी और भावनात्मक किरदार में नज़र आएंगे. इस फिल्म में उनके साथ राधिका मदान भी हैं. फिल्म का निर्देशन मशहूर निर्देशक शकुन बत्रा कर रहे हैं, जो रिश्तों को बेहद

संवेदनशील तरीके से दिखाने के लिए जाने जाते हैं.

अली फजल ने कहा, 'लस्ट स्टोरीज़ 3 मेरे पास ऐसे समय आई जब मैं कुछ भावनात्मक और सच्चा काम करना चाहता था. शकुन के पास इंसानी व्यवहार को समझने का एक बहुत खास तरीका है. वह सीन को बस निर्देशित नहीं करते, बल्कि उन्हें अपने तरीके से जीने देते हैं. उनके साथ काम करना मेरे लिए बहुत संतोषजनक रहा क्योंकि वह आपको नाटकीय होने के बजाय सच्चा बनने के लिए प्रेरित करते हैं. यह कहानी प्यार, चाहत और संवेदनशीलता को बहुत वास्तविक तरीके से दिखाती है, और काफी समय बाद फिर से एक रोमांटिक किरदार निभाना मुझे सच में अच्छा लगा.'

अली फजल ने कहा, 'फिर से लवर बॉय का किरदार निभाने में एक अलग तरह की आज़ादी महसूस होती है, लेकिन आज के समय के हिसाब से - थोड़ा कमज़ोर, संवेदनशील और भावनाओं को समझने वाला. मुझे लगता है कि दर्शक मेरा एक बिल्कुल अलग और नरम पक्ष देखेंगे, और यही बात लस्ट स्टोरीज़ 3 को लेकर मुझे सबसे ज़्यादा उत्साहित करती है.'

ताहिर राज भसीन ने नई फिल्म की शूटिंग पूरी की

बॉलीवुड अभिनेता ताहिर राज भसीन ने विक्रम फडनीस के निर्देशन में बन रही नई फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है. इस अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट में लीड भूमिका निभा रहे ताहिर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए फिल्म की शूटिंग पूरी होने की घोषणा की.

ताहिर ने फिल्म के सेट से कई तस्वीरें साझा कीं, जिनमें विक्रम फडनीस भी नजर आ रहे हैं. इसके साथ उन्होंने एक भावुक नोट भी लिखा.पोस्ट में लिखा है, 'शूटिंग पूरी हो गई. यह सफर वाकई शानदार रहा. विक्रम आपका

धन्यवाद कि आपने इतना दिल से लिखा हुआ किरदार लिखा और उसका निर्देशन किया, जिसे निभाना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा. दुनिया के साथ आपके इस प्यार और मेहनत से बने प्रोजेक्ट को साझा करने का इंतजार नहीं हो रहा.

ताहिर ने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए कहा, 'विक्रम फडनीस के साथ काम करना बेहद शानदार अनुभव रहा. सेट पर उनकी गर्मजोशी और ऊर्जा सचमुच संक्रामक है, और मैं आभारी हूं कि उन्होंने अपने हिंदी भाषा के निर्देशन की शुरुआत वाली फिल्म में मुझे मुख्य भूमिका के लिए चुना.यह प्रोजेक्ट मेरे लिए खास इसलिए भी है क्योंकि इसने मुझे उन एंटी-हीरो किरदारों की सीरीज से थोड़ा अलग होने का मौका दिया, जिन्हें निभाने में मुझे पिछले कई वर्षों में काफी आनंद आया है. इस फिल्म ने मुझे एक हल्की-फुल्की, भावनात्मक और जीवन के करीब महसूस होने वाली कहानी को एक्सप्लोर करने का मौका दिया और एक अभिनेता के रूप में कुछ नया आजमाने का अवसर भी.'

ताहिर ने कहा,हालांकि फिलहाल मैं अपने किरदार के बारे में ज्यादा खुलासा नहीं कर सकता, लेकिन दर्शकों को पर्दे पर मेरा ऐसा रूप देखने को मिलेगा जिसे मैंने पहले कभी एक्सप्लोर नहीं किया है.

अक्षय कुमार ने परफॉर्मेंस से मंच पर बांधा समा

जी ने एक बार फिर मारुति सुजुकी प्रेजेंट्स 24वें ज़ी सिने अवॉर्ड्स 2026 के साथ भारतीय सिनेमा के जादू का शानदार जश्न मनाया, जहां इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारे, यादगार परफॉर्मेंस और वो फैंस एक साथ नजर आए, जो हर सिनेमाई पल को खास बनाते हैं. अपनी फैनटरटेनमेंट की सोच पर कायम रहते हुए ये भव्य शाम एक ऐसे शानदार जश्न में बदल गई, जहां बड़े पैमाने की परफॉर्मेंस और सिनेमा प्रेमियों का जबर्दस्त जुनून एक साथ दिखाई दिया. अपनी हिम्मत, जोखिम उठाने की आदत और हर बार दर्शकों को चौंका देने वाले अंदाज़ के लिए मशहूर अक्षय कुमार ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वो बॉलीवुड के असली खिलाड़ी क्यों कहलाते हैं. इस शाम के सबसे रोमांचक पलों में से एक पेश करते हुए सुपरस्टार ने अपनी परफॉर्मेंस से फैनटरटेनमेंट को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया, जो जितनी रोमांचक थी उतनी ही यादगार भी. एक बेहद खास और सांसें थाम देने वाले पल में अक्षय कुमार घोड़े पर सवार होकर सीधे एरिना में पहुंचे. दर्शकों की जोरदार तालियों और शोर के बीच उनकी ये एंट्री किसी फिल्मी सीन से कम नहीं लगी. अवॉर्ड शो के मंच पर ऐसा नज़ारा कम ही देखने को मिलता है. आसपास मौजूद लोगों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखते हुए अक्षय ने पूरे आत्मविश्वास और संतुलन के साथ इस पल को संभाला और अपने एक्शन, करिश्मे और शानदार अंदाज़ से ऐसा प्रदर्शन किया जिसने फैंस को हैरान कर दिया.

खास पहल 'सेल्फी लो शाइन करो स्टार बन जाओ

महिला दिवस पर एण्डटीवी ने एक खास 'सेल्फी लो. शाइन करो. स्टार बन जाओ !'- के जरिए साधारण सेल्फी को आत्मविश्वास, पहचान और अभिव्यक्ति के जश्न में बदल दिया. इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को ऐसा मंच देना था, जहां वे अपनी पहचान, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व को खुलकर व्यक्त कर सकें. यहां ली गई हर सेल्फी महिलाओं के आत्मविश्वास और गर्व की झलक बन गई. प्रतिभागियों ने अपनी तस्वीरें एण्डटीवी को टैग करते हुए इस अभियान का हिस्सा बनकर खुद को पहचानने और अपनी आवाज़ को सामने लाने का संदेश दिया. इस मौके पर शिल्पा शिंदे, जिन्हें दर्शक 'भाबीजी घर पर हैं! 2.0' में अंगूरी भाबी के किरदार के लिए बेहद पसंद करते हैं, 8 मार्च को लखनऊ के लुलु मॉल में इस अभियान से जुड़ीं. उन्होंने वहां मौजूद महिलाओं से बातचीत की और उनके साथ खास पल साझा किए.

अनुराग डोभाल के हादसे पर छलका मनारा चोपड़ा का दर्द

मशहूर यूट्यूबर और बिग बॉस 17 फेम अनुराग डोभाल इन दिनों मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं. हाल ही में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर हुए एक सड़क हादसे के बाद उनकी हालत को लेकर फैंस काफी चिंतित हैं. इस बीच उनकी करीबी दोस्त और अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह अनुराग की हालत देखकर भावुक होती नजर आ रही हैं.

वायरल वीडियो में मन्नारा चोपड़ा काफी भावुक नजर आ रही हैं. उन्होंने रोते हुए कहा कि अनुराग डोभाल को इस समय सबसे ज्यादा अपने परिवार के समर्थन की जरूरत है. मन्नारा ने वीडियो में अनुराग के परिवार और माता-पिता से सवाल करते हुए कहा कि जब किसी इंसान को सबसे ज्यादा अपनों की जरूरत होती है, तब उसे अकेला नहीं छोड़ा जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि शोहरत और पैसा सब बेकार है, अगर मुश्किल समय में अपने लोग साथ न खड़े हों. मन्नारा ने यह भी याद दिलाया कि बिग बॉस 17 के दौरान अनुराग कई बार अपने परिवार और अपनी पत्नी से बात करने के लिए भावुक हो जाते थे और अपने रिश्तों को लेकर चिंतित रहते थे.

'आया शेर' के लिए द पैराडाइज के मेकर्स ने बनाया 2.5 एकड़ का स्लम सेट

फिल्म द पैराडाइज के मेकर्स ने गाना 'आया शेर' के लिए 2.5 एकड़ का स्लम सेट बनाया है. हाल ही में रिलीज़ हुए फिल्म 'द पैराडाइज़' के गाने 'आया शेर' ने अपनी ज़बरदस्त एनर्जी और कमाल के विजुअल्स से लोगों को इम्प्रेस कर दिया है. इस गाने के इतने बड़े लेवल और असली दिखने के पीछे एक बड़ी वजह फिल्म के आर्ट डिपार्टमेंट की मेहनत है, जिन्होंने बहुत ही शानदार सेट्स तैयार किए. इन सेट्स में भव्यता के साथ-साथ असलियत का भी पूरा तालमेल बिठाया गया है. सबसे खास सेटअप्स में से एक 'हीरो हाउस' है, यह 60 फीट चौड़ा, 45 फीट ऊँचा और 25 फीट गहरा एक विशाल स्ट्रक्चर है, जिसे खास तौर पर हीरो के दमदार डिप वाले सीन के लिए बनाया गया था.

बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिखीं लिन लैशराम

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में हैं. अभिनेता जल्द ही पिता बनने वाले हैं. उनकी पत्नी लिन लैशराम प्रेग्नेंट हैं और दोनों जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं. इसी बीच कपल का खूबसूरत मैटरनिटी फोटोशूट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

हाल ही में रणदीप हुड्डा ने अपनी पत्नी लिन लैशराम के साथ कुछ खास तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं. इन तस्वीरों में लिन अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं. मैटरनिटी फोटोशूट में दोनों का लुक काफी सिंपल और एलिगेंट दिखाई दे रहा है. फोटो में लिन लैशराम ऑफ-व्हाइट ड्रेस में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं, जबकि रणदीप हुड्डा लाइट ब्राउन टी-शर्ट में दिखाई दे रहे हैं. दोनों की केमिस्ट्री तस्वीरों में साफ झलक रही है.

सफल मधुमक्खी पालन के उपाय

मधुमक्खी पालन एक ऐसा व्यवसाय है जिसमें सफलता का मुख्य आधार सही तरीके से पालन करना है. सबसे पहले मधुमक्खी की अच्छी जाति का चयन करना आवश्यक है. स्थानीय जलवायु और फूलों की उपलब्धता के अनुसार उच्च उत्पादक मधुमक्खी जातियों को चुनें. छत्तियाँ मजबूत, स्वच्छ और रोग-मुक्त होनी चाहिए. छत्तियों का स्थान ऐसा होना चाहिए जहाँ धूप पर्याप्त मिले, हवा का प्रवाह ठीक हो और पानी की सुविधा पास में उपलब्ध हो.

मधुमक्खियों को नियमित रूप से निरीक्षण करना अत्यंत आवश्यक है. छत्तियों की सफाई, छत्तियों के फ्रेम और रानी की स्थिति की जांच समय-समय पर करनी चाहिए. अगर कोई रोग या कीट का संक्रमण दिखे तो तुरंत उपचार करें. इसके अलावा, मौसम के अनुसार फूलों की उपलब्धता के आधार पर छत्तियों को स्थानांतरित करना लाभकारी होता है. ग्रीष्मकाल में फूलों की भरपूर उपलब्धता होती है, जबकि शीतकाल में मधुमक्खियों को

अतिरिक्त फीडिंग की आवश्यकता पड़ सकती है.

भोजन और पानी की व्यवस्था हमेशा सुनिश्चित करनी चाहिए. प्राकृतिक पराग और रस के अलावा, आवश्यकता पड़ने पर चीनी का पानी या विशेष फीडिंग माध्यम का उपयोग किया जा सकता है.

किसानों के लिए लाभ की खेती गन्ना

गन्ना भारत की प्रमुख फसलों में से एक है और इसे 'शहद की फसल' के रूप में भी जाना जाता है. गन्ने की खेती छोटे और बड़े दोनों प्रकार के किसानों के लिए लाभकारी होती है क्योंकि इसकी मांग लगातार बनी रहती है. गन्ना मुख्यत: चीनी उद्योग और रस बनाने वाले यूनिट्स के लिए उगाया जाता है.

भारत में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और पंजाब जैसे राज्यों में गन्ने की खेती अधिक होती है. गन्ने की खेती का लाभ किसानों के लिए कई रूप में होता है. एक हेक्टेयर क्षेत्र में औसतन 60 से 80 टन गन्ना पैदा होता है, जिसका भाव सरकारी और निजी मिलों में 3000 से 4000 रुपये प्रति क्विंटल तक रहता है. इससे एक हेक्टेयर क्षेत्र से किसानों को लगभग 1.8 लाख से 3 लाख रुपये

तक की आमदनी हो सकती है. इसके अलावा, गन्ने की खेती में फसल के अवशेष जैसे बागास का उपयोग पशु चारे और बिजली उत्पादन में भी किया जाता है, जिससे अतिरिक्त आय का साधन बनता है.

हालांकि गन्ने की खेती में कुछ लागतें भी शामिल होती हैं. बीज, खाद, कीटनाशक, पानी और मजदूरी पर खर्च आता है. औसतन एक हेक्टेयर क्षेत्र में 50,000 से 70,000 रुपये तक की लागत आती है. इसके बावजूद, गन्ने की आय लागत से कई गुना अधिक होने के कारण यह किसानों के लिए आकर्षक फसल मानी जाती है. गन्ने को मुख्य रूप से स्थानीय चीनी मिलों, जूस और गुड़ बनाने वाले उद्योगों में बेचा जाता है. किसान सीधे मिलों को अपने गन्ने बेचते हैं, जिससे उन्हें समय पर भुगतान मिलता है. कुछ किसान सहकारी समितियों के माध्यम से भी गन्ना बेचते हैं, जिससे मूल्य में स्थिरता और सुरक्षा मिलती है. इसके अलावा, कुछ गन्ना किसान छोटे स्तर पर रस और गुड़ भी तैयार कर स्थानीय बाजार में बेचते हैं, जो उनकी आय को और बढ़ा देता है.

गन्ने की खेती में सिंचाई की सुविधा, मिट्टी की उर्वरता और मौसम का प्रभाव काफी महत्वपूर्ण है. अच्छी देखभाल, समय पर खाद और कीटनाशक का इस्तेमाल, तथा बीज और कटाई की सही तकनीक अपनाने से फसल की पैदावार और गुणवत्ता दोनों बढ़ती हैं. इस प्रकार गन्ने की खेती किसानों के लिए स्थायी आय का स्रोत होने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है.

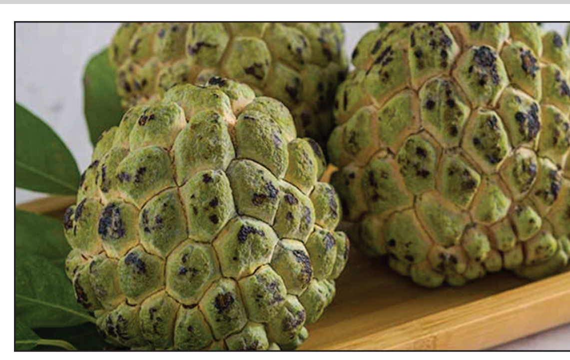

सेहत और लाभ का खजाना सीता फल

सीता फल, जिसे अंग्रेज़ी में पपिता कहा जाता है, एक बेहद पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक फल है. यह न केवल खाने में स्वादिष्ट होता है, बल्कि शरीर के लिए भी कई प्रकार से लाभकारी है. इसमें पाए जाने वाले विटामिन, मिनरल और एंज़ाइम शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं. सीता फल पूरे साल उपलब्ध होता है और इसे कच्चा या पका दोनों रूपों में इस्तेमाल किया जा सकता है.

सीता फल में विटामिन सी , विटामिन ए, फाइबर और पोटेशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है. यह पाचन तंत्र के लिए विशेष रूप से लाभकारी है. इसमें पपाइन नामक एंज़ाइम पाया जाता है, जो भोजन को जल्दी पचाने में मदद करता है. इसलिए कब्ज और अपच जैसी समस्याओं में यह फल अत्यंत उपयोगी है. इसके नियमित सेवन से पेट से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम होता है.

सीता फल हृदय स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है. इसमें मौजूद पोटेशियम रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है और हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है. विटामिन ए और सी की उच्च मात्रा आंखों की रोशनी बनाए रखने और दृष्टि सुधारने में सहायक होती है. साथ ही, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट शरीर से हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालते हैं, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है. यह फल डायबिटीज़ और मोटापे के नियंत्रण में भी सहायक माना जाता है. इसका कम कैलोरी और उच्च फाइबर वाला होना इसे डायबिटीज़ रोगियों के लिए भी सुरक्षित बनाता है. सीता फल का नियमित सेवन शरीर की सूजन, संक्रमण और एलर्जी जैसी समस्याओं से बचाव करता है. इसके अलावा, इसमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में मदद करते हैं.

सीता फल के अन्य लाभों में हड्डियों को मजबूत बनाना, ऊर्जा बढ़ाना और इम्यूनिटी सुधारना शामिल है. यह बच्चों और बुजुर्गों दोनों के लिए फायदेमंद है.

सूरन का कारोबार दे रहा रोजगार

सूरन, जिसे अंग्रेज़ी में एरोबोट कहा जाता है, भारत में एक महत्वपूर्ण वाणिज्यिक फसल मानी जाती है. यह फसल विशेष रूप से हिमालयी और पहाड़ी क्षेत्रों में अधिक उगाई जाती है, लेकिन अब मैदानी क्षेत्रों में भी इसकी खेती बढ़ रही है. सूरन का उपयोग मुख्य रूप से सब्ज़ी के रूप में और औषधीय गुणों के लिए किया जाता है. इसकी मांग देश के विभिन्न शहरों और मंडियों में लगातार बनी रहती है, जिससे यह किसानों के लिए लाभकारी फसल साबित होती है.

सूरन की खेती से किसानों को अच्छा लाभ मिलता है. प्रति हेक्टेयर औसतन 15 से 25 टन सूरन की पैदावार होती है. अगर इसे स्थानीय मंडियों में 30 से 40 रुपये प्रति किलो के भाव से बेचा जाए तो किसानों की आय लगभग 4.5 लाख से 10 लाख रुपये तक हो सकती है. इसके अलावा, सूरन की खेती में कटाई के बाद बची हुई पत्तियाँ और जड़ें खेत में जैविक खाद के रूप में उपयोग की जा सकती हैं, जिससे खेती की लागत और भी कम

हो जाती है.

हालांकि, सूरन की खेती में कुछ प्रारंभिक लागतें भी होती हैं. इसमें बीज या जड़ें, खेत की तैयारी, खाद, कीटनाशक, सिंचाई और मजदूरी शामिल है. औसतन एक हेक्टेयर क्षेत्र में यह लागत 1.5 लाख से 2 लाख रुपये तक हो सकती है. इस निवेश के मुकाबले पैदावार और बाजार में मांग अधिक होने के कारण सूरन की खेती अत्यंत लाभकारी मानी जाती है.

सूरन को मुख्य रूप से स्थानीय और राज्य स्तरीय मंडियों में बेचा जाता है. किसान सीधे थोक बाजारों या उपभोक्ता तक सूरन बेचकर अच्छी आय प्राप्त कर सकते हैं. कुछ किसान सूरन को प्रसंस्कृत कर पैकेजिंग के माध्यम से शहरों में भी भेजते हैं, जिससे उनकी आय और बढ़ जाती है.

सूरन की खेती में मिट्टी की उर्वरता, जलवायु और सिंचाई की सुविधा महत्वपूर्ण होती है. अच्छी देखभाल, समय पर खाद और कीटनाशक का उपयोग, तथा उचित कटाई तकनीक अपनाने से पैदावार और गुणवत्ता दोनों बेहतर होती हैं. सूरन की खेती किसानों के लिए न केवल आय का स्रोत है बल्कि रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाली महत्वपूर्ण फसल भी है. इस प्रकार सूरन की खेती छोटे और बड़े किसानों दोनों के लिए लाभकारी है और सही प्रबंधन तथा बाजार की समझ से इसे अत्यधिक आयकारी व्यवसाय में बदला जा सकता है.